हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: २ | अंक: 6 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार, 22 जुलाई से 28 जुलाई 2022

शिवसेना के बागी विधायकों की अयोग्यता और शिंदे सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

मुंबई: महाराष्ट्र की राजनीति और एकनाथ शिंदे की सरकार के गठन को लेकर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को अहम सुनवाई होगी. दरअसल, शीर्ष अदालत को एकनाथ शिंदे सरकार की संवैधानिकता पर फैसला देना है. साथ ही ये भी तय करना है कि शिवसेना के बागी विधायक अयोग्य होंगे या नहीं. सुप्रीम कोर्ट में उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे की तरफ से कई याचिकाएं दाखिल की गई हैं. इन सभी मामलों पर एक साथ बुधवार को सुनवाई होगी. अधिवक्ता अनीश शाह द्वारा दाखिल अपनी याचिका में शिवसेना नेता सुभाष देसाई ने कहा, ह्ययाचिकाकर्ता राज्यपाल की 30 जून, 2022 की असंवैधानिक और अवैध कार्रवाई को चुनौती दे रहा है, जिसमें प्रतिवादी संख्या 4 (एकनाथ शिंदे) को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के लिए आमंत्रित किया गया याचिका में कहा गया है, शिवसेना निर्वाचन आयोग से मान्यता प्राप्त एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल है. निर्वाचन आयोग ने इसके पदाधिकारियों को भी मान्यता दी है. उद्धव ठाकरे शिवसेना के अध्यक्ष हैं. पिछला संगठनात्मक चुनाव 2018 में हुआ था और इसकी सूचना भारत के निर्वाचन आयोग को दी गई थी. शिवसेना के संगठनात्मक ढांचे में कोई बदलाव नहीं हुआ है और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को लेकर कोई विवाद और चुनौती नहीं है. याचिका में शिंदे को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने और सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने के राज्यपाल के 30 जून के फैसले को रद्द करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है. इसमें तीन जुलाई को हुई महाराष्ट्र विधानसभा की ह्यअवैधह्न कार्यवाही और उसके बाद विधानसभाध्यक्ष के चुनाव को रद्द करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है.

इससे पहले उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि नए स्पीकर फिलहाल किसी भी विधायक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करेंगे. उद्धव ठाकरे गुट के विधायकों ने सुप्रीम कोर्ट से शिकायत की थी उनके खिलाफ अयोग्यता की कार्रवाई हो सकती है. महाराष्ट्र में ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को हाल में वरिष्ठ नेता शिंदे की अगुवाई में विधायकों की बगावत का सामना करना पड़ा.

एकनाथ शिंदे से मिले शिवसेना के 12 सांसद, लोकसभा में अलग गुट के रूप में चाहते हैं मान्यता

मुंबईः शिवसेना के शिंदे गुट की अब पार्टी पर कब्जे की लड़ाई तेज हो गई है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पुत्र लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे ने मंगलवार को शिवसेना संसदीय दल में फूट की चर्चा के बीच अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इससे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 12 सांसदों (शिंदे गुट) से मुलाकात की थी। एकनाथ शिंदे मंगलवार को उद्धव ठाकरे खेमे द्वारा दायर 16 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका पर कानूनी रणनीति की समीक्षा करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में हैं। यह जानकारी समाचार एजेंसी एएनआइ और पीटीआई ने दी है इस घटनाक्रम में महाराष्ट्र पुलिस और केंद्र सरकार ने इन सांसदों को किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मुंबई में उनके घरों या कार्यालयों में अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान की है। केंद्र सरकार ने इन सांसदों को श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की।

कल्याण से लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे और हिंगोली से लोकसभा सदस्य हेमंत पाटिल की ओम बिरला के साथ बैठक शिवसेना नेता विनायक राउत द्वारा स्पीकर को एक पत्र देने के एक दिन बाद हुई, जिसमें उनसे प्रतिद्वंद्वी गुट को किसी भी प्रतिनिधित्व पर विचार नहीं करने के लिए कहा गया था। यह तत्काल स्पष्ट नहीं है कि शिंदे और पाटिल ने स्पीकर को कोई आवेदन दिया है या नहीं। माना जाता है कि शिवसेना के कम से कम 12 लोकसभा सदस्य शिंदे गुट के संपर्क में थे। पार्टी के मौजूदा नेता विनायक राउत को राहुल शेवाले के साथ बदलने के इच्छुक हैं। राउत ने सोमवार रात स्पीकर को सौंपे अपने पत्र में यह स्पष्ट किया था कि वह शिवसेना संसदीय दल के ह्यविधिवत नियुक्तह्व नेता थे और राजन विचारे मुख्य सचेतक थे।

शिवसेना से बर्खास्त होने के बाद रामदास कदम का शरद पवार पर बड़ा आरोप,NCP ने किया खंडन

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रामदास कदम ने मंगलवार को ठउढ प्रमुख शरद पवार पर निशाना साधा। सोमवार को शिवसेना से बर्खास्त किए गए रामदास कदम ने आज आरोप लगाया कि शिवसेना को तोड़ने वाले शरद पवार हैं। मंत्री ने दावा किया कि पवार ने योजनाबद्ध तरीके से शिवसेना को कमजोर किया। कुछ विधायकों ने इसके लिए ठाकरे को चेताया भी था लेकिन वे पवार के खिलाफ कुछ भी सुनने को राजी नहीं थे। बता दें कि मंत्री ने यह दावा एक टीवी चैनल के साथ बातचीत के दौरान किया। साथ ही कदम ने बागियों को लेकर दोबारा विचार करने की भी अपील की। पूर्व मंत्री ने कहा, ह्यउद्धवजी, आपको इस बात पर विचार करना चाहिए कि शिंदे को वापस पार्टी में कैसे शामिल किया जाए।ह्व पिछले माह शिंदे ने जब पार्टी से बगावत की थी तब रामदास कदम के बेटे योगेश कदम ने भी इसमें साथ दिया था। योगेश कदम रत्नागिरी जिले के दापोली से विधायक हैं। वहीं NCP अभी भी उद्धव ठाकरे की शिवसेना के साथ है। कदम के इस बयान का खंडन ठउढ के मुख्य प्रवक्ता महेश तपासे ने की और दावा किया कि शिवसेना में टूट के पीछे भाजपा का हाथ है और बागी विधायक पवार पर निशाना साध ध्यान दूसरी ओर करने की फिराक में हैं।

ठाकरे की अगुवाई में महाविकास अघाड़ी (MVA) सरकार बनी थी जिसमें सेना, ठउढ और कांग्रेस शामिल थी। यह सरकार पिछले माह शिंदे समेत 39 विधायकों के बगावत के बाद गिर गई। कदम ने कहा, ह्यमैंने उद्धवजी को पर्याप्त सबूत दे दिए हैं कि किस तरह ठउढ प्रमुख शरद पवार शिवसेना को तोड़ रहे हैं। रामदास कदम ने कहा, ह्यहमें शुक्रगुजार होना चाहिए कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई में यह बगावत ठाकरे सरकार के ढाई साल के शासन में ही हो गया। अन्यथा पांच साल के कार्यकाल के बाद सेना खत्म हो जाती। आगामी विधानसभा चुनाव में पांच-दस विधायकों की जीत भी नहीं हो पाती।ह्व

पूर्व मंत्री ने दिवंगत बालासाहेब ठाकरे का हवाला दिया और कहा कि यदि वे आज जिंदा होते तो उद्धव ठाकरे को ठउढ व कांग्रेस के सहयोग से सरकार बनाने की इजाजत नहीं देते। साथ ही यह भी कहा कि साल 2019 में उद्धव ठाकरे जब कांग्रेस और ठउढ के साथ मिलकर सरकार बना रहे थे तब भी उन्होंने विरोध जताया था।

शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने सोमवार को वरिष्ठ नेता रामदास कदम और पूर्व सांसद आनंदराव अडसुल को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में पार्टी से बर्खास्त कर दिया। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री कदम ने शिवसेना नेता के तौर पर इस्तीफा दिया। ठाकरे ने सोमवार शाम को कदम और अडसुल को बर्खास्त करने की घोषणा की।कदम ने अपने पत्र में शिवसेना, ठउढ और कांग्रेस के बीच 2019 के चुनाव के बाद के गठबंधन पर अपनी पीड़ा व्यक्त की, जिसे उन्होंने शिवसेना के संस्थापक, दिवंगत बाल ठाकरे के विचारों के साथ विश्वासघात करार दिया।

ED ने बुधवार को फिर पूछताछ के लिए शिवसेना सांसद संजय राउत को किया तलब

मुंबईः संजय राउत से मुंबई चाल पुनर्विकास मामले से जुड़े मनी लान्ड्रिंग मामले में पूछताछ की जा रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित मनी लान्ड्रिंग मामले में शिवसेना के संजय राउत को पूछताछ के लिए बुधवार को तलब किया है। अधिकारियों ने कहा कि मामला उनकी पत्नी और सहयोगियों से जुड़े लेनदेन से संबंधित हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी, राज्यसभा के शिवसेना सांसद ने किसी भी गलत काम से इनकार किया था और आरोप लगाया था कि राजनीतिक प्रतिशोध के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। पिछली बार, राउत ने खुद को एक निडर व्यक्ति बताया था क्योंकि वह मामले में ईडी के सामने पेश हुए थे। मैं एक निडर व्यक्ति हूं क्योंकि मैंने अपने जीवन में कभी कुछ गलत नहीं किया है।

अगर यह सब राजनीतिक है, तो हमें बाद में पता चलेगा। अभी, मुझे लगता है कि मैं एक तटस्थ एजेंसी में जा रहा हूं, और मुझे उन पर पूरा भरोसा है। राउत ने ईडी कार्यालय से बाहर निकलते समय संवाददाताओं से कहा था, मैंने पूरा सहयोग दिया और उनके सभी सवालों का जवाब दिया।

उद्धव की शिवसेना को आज लग सकता है बड़ा झटका, शिंदे ने किया 18 सांसदों के साथ होने का दावा

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सोमवार की देर रात राजधानी नई दिल्ली पहुंच गए हैं। वह रात में मुंबई से विमान के जरिए इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर पहुंचे। शिंदे एयरपोर्ट से सीधे महाराष्ट्र सदन पहुंचे, जहां सुरक्षा के बीच बुके देकर स्वागत किया गया।सीएम एकनाथ शदि की अगुवाई में शविसेना वधियाकों की बगावत के बाद के अब सांसद भी विद्रोह के मूड में हैं। महाराष्ट्र से शिवसेना के एक सांसद के दावे के अनुसार कम से कम 12 सांसद लोकसभा में एक अलग गुट बनाएंगे। बागी सांसद शिंदे के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकते हैं। वहीं शिंदे के दिल्ली दौरे को मंत्रिमंडल बंटवारे पर चर्चा के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।30 जून को यहां मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद शिंदे का राष्ट्रीय राजधानी का यह दूसरा दौरा होगा। शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 8 और 9 जुलाई को नई दिल्ली का दौरा किया था। दोनों नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की थी।

शिवसेना के बागी सांसद शेवाले बोले- लोकसभा चुनाव 2024 में जीतने योग्य चेहरा नहीं थे उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र। शिवसेना नेता और बागी सांसद राहुल शेवाले ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे जीतने योग्य चेहरा नहीं थे, जिस कारण भाजपा से गठबंधन करना जरूरी हो गया था।

बता दें कि शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे पिछले महीने 30 जून को ही बागी विधायकों के साथ मिलकर भाजपा से गठबंधन कर सरकार बनाई है। बहुमत न होने के कारण उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। राहुल शेवाले और 11 अन्य शिवसेना सांसद भी एकनाथ शिंदे गुट के साथ आ गए हैं।न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, राहुल शेवाले ने बताया कि आगामी लोकसभा

चुनाव में नेतृत्व को लेकर कई बैठकों में चर्चा हुई। उन्होंने कहा, ह्यठाकरे के साथ बैठक के दौरान मैंने नेतृत्व का मुद्दा उठाया। तब संजय राउत ने उद्धव ठाकरे की तरफ इशारा किया था। मैंने कहा था कि हम उनका सम्मान करते हैं लेकिन हमें वास्तिवकता को समझना होगा। शिवाले ने कहा कि शिवसेना ने एनसीपी के साथ गठबंधन कर लिया। इधर, कई निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस हमारी प्रतिद्वंदी थी, जिससे मामला और जटिल हो गया। वहीं, यूपीए (वढअ) राहुल गांधी के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगा, जो हमें मंजूर नहीं होगा। शिवाले ने बताया कि बड़ी संख्या में शिवसेना नेता भाजपा के साथ गठबंधन के पक्ष में थे। सभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। उन्होंने कहा कि शिवसेना नेताओं ने पार्टी के भीतर तब असुरक्षित माहौल बन गया, जब आलाकमान की ओर से प्रमुख लोकसभा क्षेत्रों की पेशकश एनसीपी को कर दी गई।

शिवाले ने दावा कि उद्धव ठाकरे भी शिवसेना और भाजपा के गठबंधन को इच्छुक थे। पिछले साल दिल्ली यात्रा के दौरान पीएम मोदी के साथ इस मुद्दे पर उनकी चर्चा भी हुई थी। उन्होंने बताया कि एक प्रस्ताव यह भी था कि ठाकरे पार्टी का नेतृत्व करेंगे और शिंदे के पास सरकार का नेतृत्व होगा। हालांकि, बात नहीं बन सकी।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

राष्ट्र को तबाह कर देने वाली एक जिद

यह तय करना काफी मुश्किल है कि तानाशाह किसी मुल्क का सत्यानाश अपनी नीतियों से ज्यादा करते हैं या अपनी जिद से? कोई नीति कब जिद बन जाती है और कोई जिद ही अकेली नीति कब रह जाती है, इसकी थाह पाना भी आसान नहीं होता। इन दिनों उन नीतियों और जिदों की गणना चल रही है, जिनके चलते गोटबाया राजपक्षे ने उस पूरे श्रीलंका को ही दांव पर लगा दिया, जिसके लोगों ने उन्हें भारी समर्थन देकर अपना सिरमौर बनाया था। उनकी इन नीतियों और जिदों की फेहरिस्त हालांकि बहुत लंबी नहीं है, लेकिन फिलहाल हम एक जिद को ले रहे हैं, जिसका नाम है, ऑर्गेनिक यानी जैविक खेती।

गोटबाया अगर जैविक खेती की जिद न करते, तब भी वह श्रीलंका को जिस रास्ते पर ले गए थे, उससे इस देश पर भारी आर्थिक संकट टूटने ही थे। ऊंचे पर्वतों और घने जंगलों वाला यह देश पिछले कुछ साल में जिस व्याधि का शिकार हुआ, चिकित्सा की भाषा में उसके लिए एक ही शब्द-समूह हो सकता है, ह्यमल्टीपल ऑर्गन फेल्योरह्न, यानी जब शरीर के कई अंग काम करना बंद कर देते हैं। इस तरह के मरीज की जो हालत होती है, वही इस समय श्रीलंका की हो गई है। कृषि इनमें से महज एक अंग है, जिसकी कमर ऑर्गेनिक खेती की जिद ने तोड़ दी। अगर गोटबाया ऐसी जिद नहीं पालते, तो श्रीलंका में भले ही तमाम तरह की परेशानियां खड़ी हो जातीं, लेकिन वहां कम से कम भुखमरी की वैसी नौबत नहीं आती, जैसी फिलहाल आई हुई है। वैसे गोटबाया ने अपने चुनाव घोषणापत्र में वादा किया था कि अगले दस साल में देश को रासायनिक खेती से मुक्त कर दिया जाएगा। इसमें कोई बड़ी बात भी नहीं थी, क्योंकि दुनिया के कई देश इस समय ऐसी ही बात कर रहे हैं। स्विट्जरलैंड ने दावा किया है कि वह 2028 तक पूर्णतः जैविक खेती वाला देश बन जाएगा। मगर तब किसने सोचा था कि गोटबाया दस साल का कोई सिलसिला शुरू करें, उसके पहले ही उनका चुनावी वादा अचानक कहर बनकर टूट पड़ेगा।

गोटबाया ने बड़े गर्व के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा में यह घोषणा की थी कि श्रीलंका जैविक खेती करने वाला दुनिया का पहला देश बन चुका है। खेती से संबंधित सभी रसायनों के आयात पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी गई। अब वहां बाजार में न उर्वरक उपलब्ध थे, न कीटनाशक, न खर-पतवारनाशक, न फंगीसाइड। एक चीज और नदारद थी, बिना इन रसायनों के कैसे खेती होती है, देश के किसान इसे दशकों पहले भूल चुके थे। कृषि वैज्ञानिकों और प्रशासकों को भी नहीं पता था कि इतने बड़े देश का पेट सिर्फ कंपोस्ट के बल पर किस तरह पालना है? इसके पहले कि इन पर सोचा जाता, हर तरफ से जय-जयकार शुरू हो चुकी थी। पर्यावरण के लिए काम करने वाले वे एनजीओ, यानी गैर-सरकारी संगठन तो बल्लियों उछल रहे थे, जिनके लिए जैविक खेती उनकी परम आस्था थी। यह कहा जाने लगा कि गोटबाया ने पूरे देश को जहर से बचा लिया है और अब श्रीलंका के लोग दुनिया की सबसे सेहतमंद आबादी में बदल जाएंगे।

कहीं महंगाई और न बढ़ा दे जीएसटी

पैकेट बंद आटा, चावल, दही, लस्सी जैसे खाद्य पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाने के बाद इन तमाम उत्पादों के दाम बढ़ गए हैं। अभी तक हम महंगाई को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक के पैमाने पर नापते रहे हैं, मगर अब लगता है कि इसमें जीएसटी का तीसरा मापक भी जोड़ देना चाहिए और यह पता करना चाहिए कि जीएसटी से कितनी महंगाई बढ़ी है? इससे यह धारणा भी टूटेगी कि महंगाई बढ़ने की बड़ी वजह किसान हैं, क्योंकि सरकार की तरफ से कथित तौर पर उन्हें कई तरह के समर्थन दिए जाते हैं। चूंकि अब जीएसटी के दायरे में गेहूं, धान, राई, बार्ली, ओट्स ही नहीं, बल्कि लस्सी, दही, छाछ, पनीर जैसे तमाम उत्पाद आ गए हैं, इसलिए उपभोक्ताओं को यह जानने का हक होना ही चाहिए कि इस टैक्स व्यवस्था ने उनके घर का बजट कितना बिगाड़ा है?

असल में, जीएसटी किसानों के लिए भी परेशानी का कारण है। इससे उनके कृषि उपकरण तो महंगे हो ही गए हैं, उनकी लागत बढ़ गई है। विशेषकर हिमाचल प्रदेश में सेब उत्पादन करने वाले किसान तो इसलिए आंदोलित हैं, क्योंकि फलों के डिब्बे पर भी जीएसटी लग गया है। जाहिर है, दुग्ध उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने के बाद डेयरी उद्योग पर भी तमाम तरह के संकट आएंगे। मगर विडंबना है कि इस मूल्य-वृद्धि से किसानों को कोई लाभ नहीं होने वाला। देश में जब जीएसटी की शुरूआत हुई थी, तब राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) की एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि इससे सभी सेक्टर को फायदा होगा। मगर उस वक्त भी मैंने यह अंदेशा जताया था कि सारी मलाई उद्योग जगत चट कर जाएगा, और उपभोक्ताओं के हिस्से कुछ नहीं आएगा। आज हम साफ-साफ देख रहे हैंकि जीएसटी का फायदा मूलतः उद्योग जगत को ही मिला। एक्साइज ड्यूटी, वैट, लग्जरी टैक्स, सेल टैक्स जैसे तमाम कर या तो खत्म कर दिए गए या जीएसटी में शामिल कर दिए गए। इससे कारोबारी घराने फायदे में रहे, पर तमाम करों का बोझ उपभोक्ताओं के कंधे पर आ गया।

जीएसटी के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि यह देश के 160 देशों में लागू है, लेकिन सच यह भी है कि इससे ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ जैसी अर्थव्यवस्थाएं संकट में हैं और ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जैसे तमाम देशों में महंगाई बढ़ी है। दावा किया जाता है कि जीएसटी से महंगाई कुछ समय तो बढ़ती है, पर दीर्घावधि में इसका फायदा होता है। मगर यह भी सिर्फ शब्दों की बाजीगरी है, क्योंकि आज अगर जीएसटी के कारण महंगाई में तेज उछाल आती है, तो आने वाले दिनों में इसमें स्थिरता ही आएगी, जिसकी वजह से महंगाई का आधार बढ़ जाएगा। जाहिर है, उपभोक्ताओं को जीएसटी से राहत मिलने के शब्द बस आश्वासन हैं, इनका हकीकत से कोई वास्ता नहीं। शहीद DSP सुरेंद्र सिंह के परिवार को 1 करोड़ रुपये और 1 सदस्य को मिलेगी सरकारी नौकरी, सीएम खट्टर ने किया ऐलान जीएसटी में हुए नए बदलाव के बाद अब देश का हर नागरिक किसी न किसी रूप में टैक्स चुकाने को मजबूर है। पहले कहा जाता था कि वेतनभोगी तबका ही कर देता है, जिससे देश चलता है, मगर आज स्थिति यह है कि कोई मजदूर यदि एक जोड़ी चप्पल भी खरीदता है, तो उसे पांच फीसदी टैक्स चुकाना पड़ता है। इसका अर्थ है कि टैक्स की नई व्यवस्था ने सभी के लिए कर चुकाना अनिवार्य बना दिया है। इसके समर्थक यह भी कहते हैं कि इससे किसानों को फायदा होगा। यह बात भी सही नहीं है, क्योंकि एक उद्योगपति जब टैक्स चुकाता है, तो कहीं न कहीं उसकी रिकवरी कर लेता है, किसानों को यह सुविधा हासिल नहीं होती।

कृषि उपकरण से उनकी फसल-लागत जरूर बढ़ गई है, पर उनके पास ऐसा कोई माध्यम नहीं कि वे इस लागत की भरपाई कर सकें। सरकार ने 23 सदस्यों की एक कमेटी बनाई है, जो किसानों को मदद करने संबंधी उपायों की सिफारिश करेगी। दरअसल, किसान आंदोलन के बाद सरकार ने कहा था कि वह ऐसी कमेटी बनाएगी, जो यह जानने के प्रयास करेगी कि एमएसपी को किस तरह से प्रभावी बनाया जाए या किसानों की लागत कैसे कम की जाए? इस कमेटी का एक मकसद यह पता लगाना भी है कि देश के सभी किसानों तक किस तरह से एमएसपी का लाभ पहुंचाया जाए? गौरतलब है कि शांता कुमार की रिपोर्ट बताती है कि देश के छह फीसदी किसानों को ही न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिलता है। शेष 94 फीसदी किसान बाजार के हवाले हैं। यदि बाजार इतना ही अच्छा होता या किसानों का भला करता, तो आज खेती पर संकट पैदा ही नहीं होता। साफ है, आज हमें एमएसपी बढ़ाने की जरूरत है। कोशिश यह होनी चाहिए कि देश के हरेक किसान को इसका लाभ मिले। इसके लिए सबसे पहले हमें मंडियों का विस्तार करना होगा। अभी देश भर में तकरीबन 7,000 कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) मंडी हैं, जिनको बढ़ाकर 42,000 करना होगा। इसके अलावा, सरकार अभी 23 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती है। मगर इसका लाभ सिर्फ कागजों पर मिलता है, असल में धान, गेहूं और कुछ हद तक कपास किसानों को ही इसका फायदा मिल पाता है। ऐसे में, जरूरी यह भी है कि सभी 23 फसलों पर किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार मिले, ताकि न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर फसलों की कोई सरकारी या निजी खरीद न हो सके। अगर ऐसा हो सका, तो निस्संदेह किसानों की आमदनी बढ़ेगी, जिसका फायदा अंततः अर्थव्यवस्था को होगा। याद कीजिए, जब सातवां वेतन आयोग लागू हुआ था, तब देश की पांच-छह फीसदी आबादी को ही इसका लाभ मिला था, उस वक्त उद्योग जगत ने कहा था कि सरकार का यह कदम देश की अर्थव्यवस्था के लिए ह्बूस्टरह्न का काम करेगा, क्योंकि पैसा आने के बाद लोग बाजार में उसे खर्च करेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने सरकारी कर्मियों को दिया कैशलेस इलाज का तोहफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 22 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों के साथ ही पेंशनर्स को गुरुवार को कैशलेस इलाज का तोहफा दिया है। लोकभवन में गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत 22 लाख से अधिक सरकारी कर्मचारियों को कार्ड प्रदान करने की योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उनके साथ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक तथा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र भी थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लोक भवन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने दस कर्मियों और सेवानिवृत्त कर्मियों को राज्य हेल्थ कार्ड वितरित किए। इस योजना से 22 लाख राज्य कर्मचारी, रिटायर कर्मचारी और उनके आश्रितों सहित 75 लाख लोगों को लाभ मिलेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मौके पर कहा कि हम राज्य कर्मचारियों की पूरी चिंता करते हैं और कर्मियों को चाहिए कि वह जनता की फिक्र करें। हमने कर्मचारियों की वर्षो पुरानी मांग पूरी की है। कोरोना काल में मेरे सामने कर्मियों की संख्या में कटौती का प्रस्ताव आया था।

कुछ राज्यों ने ऐसा किया भी है लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने न तो कर्मचारियों की संख्या कम की और न ही उनके वेतन आदि में कोई कटौती की। लगातार सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। अब आप बेफिक्र होकर अपना इलाज करवा सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टीम वर्क में काम किया जाए तो उसके अच्छे परिणाम सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों को भी इस अवसर पर आज ही हेल्थ कार्ड दिया जाता तो अच्छा रहता।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा कार्ड की मांग लंबे समय से थी। आयुष्मान भारत योजना में अन्त्योदय कार्ड धारकों को पांच लाख तक का चिकित्सा बीमा कवर दिया जा रहा है। राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी सरकारी और इम्पैनल्ड अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा के लिए स्टेटहेल्थ कार्ड देने का निर्णय लिया गया है। यूपी देश का पहला राज्य जिसने कर्मचारियों को यह सुविधा दी।

बाहुबली पूर्व विधायक का गिरफ्तारी वारंट गायब करती रही पुलिस

थाने से एफआईआर की फाइल गायब

गोरखपुर। प्रदेश सरकार जहां माफियाओं पर शिकंजा कसने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है वहीं पुलिस गैर जमानती वारंट तक हजम कर जा रही है। बाहुबली पूर्व विधायक राजन तिवारी के मामले में ऐसा ही चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। कुख्यात श्रीप्रकाश शुक्ला के साथ गैंगस्टर के केस में नामजद राजन तिवारी के खिलाफ 17 साल से गैरजमानती वारंट जारी होता रहा लेकिन कैंट पुलिस गिरफ्तारी तो दूर, वारंट ही गायब करती रही। 100 से ज्यादा वारंट-समन जारी हुए कोर्ट से पर पुलिस ने एक भी पहुंचाया नहीं। 17 साल से चल रहा था

पूर्व विधायक राजन तिवारी के मुकदमे में पुलिस का खेल।यूपी के टॉप 61 माफियाओं की सूची में बाहुबली राजन तिवारी का नाम शामिल होने के बाद मुकदमों की पड़ताल शुरू हुई तो पुलिस का खेल सामने आ गया। यही नहीं जिस कैंट थाने में यह केस दर्ज हुआ था, वहां से फाइल भी गायब हो गई। अफसरों के जवाब मांगने पर कैंट पुलिस अपने यहां दर्ज सभी मुकदमों में राजन तिवारी को क्लीनचिट देती रही। खेल खुलने के बाद अफसरों ने सख्ती की तब गैर जमानती वारंट के आधार पर पुलिस ने राजन की तलाश शुरू की है। दरअसल, 15 मई 1998 को कैंट पुलिस ने शिव प्रकाश उर्फ श्रीप्रकाश शुक्ला, अनुज सिंह, राजन उर्फ राजेन्द्र तिवारी और आनंद पाण्डेय सहित चार लोगों पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की थी। इसमें श्रीप्रकाश शुक्ला को गैंग लीडर तो अन्य को सक्रिय सदस्य बनाया गया था। इस मामले में राजन तिवारी के हाजिर न होने पर 14 दिसम्बर 2005 को कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया। तब से सौ से ज्यादा वारंट जारी हुए.

सीवान से JDU सांसद कविता सिंह को जान से मारने की धमकी

बिहार : बिहार के सीवान से जेडीयू सांसद कविता सिंह और उनके पति अजय सिंह को फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है। दिल्ली में सांसद कविता सिंह के मोबाइल पर इंटरनेट कॉल आया। धमकी देने वाले शख्स ने खुद का नाम अखलाक बताया और कहा कि उनकी एवं उनके पति की यूपी के कमलेश तिवारी की तरह हत्या की जाएगी। सांसद कविता सिंह के पति अजय हिंदू युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष हैं और बिहार के बाहुबली नेता माने जाते हैं। सीवान सांसद कविता सिंह संसद के मॉनसून सत्र में हिस्सा लेने दिल्ली गई हुई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बुधवार को उन्हें अनजान नंबर से इंटरनेट कॉल आया।

यूपी में 24 घंटों में भारी बारिश के आसार

लखनऊः मॉनसूनी हवाओं की मुख्य धारा इस समय मेरठ से लखनऊ फुर्सतगंज होते हुए बंगाल की खाड़ी तक है। ऐसे में अगले 24 घंटों के बीच भारी बारिश हो सकती है। इसे ऐसे समझें की मॉनसून का मुख्य हिस्सा लखनऊ के ऊपर से गुजर रहा है। इसी वजह से बुधवार को दोपहर 1:30 बजे से शाम 5:00 के बीच 52.3 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग ने बताया कि अगले पांच-छह दिन मौसम ऐसा ही रहेगा। बरसात भी अच्छी होगी। गुरुवार को बरसात की संभावना है। बारिश इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनट में जगह-जगह जलभराव हो गया। मौसम विभाग के अनुसार एक घंटे में करीब 37.5 मिलीमीटर बारिश हुई। यह दिन भर में सबसे तेज बारिश थी जो 1:30 से लेकर 2:20 बजे तक पूरे शहर में हुई। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार मॉनसूनी हवाएं या ट्रफ लाइन कुछ समय के लिए गुजरात से लेकर उड़ीसा तक स्थानांतरित हो गई थी। अब यह अपने सामान्य रास्ते पर लौट रही है। एक दिन पहले तक मानसून श्रीगंगानगर और राजस्थान की ओर था जो तेजी से बदलते हुए यूपी के ऊपर आ गया। इस कारण अभी कई स्थानों पर अच्छी बारिश के संकेत हैं। बीते 24 घंटों में अधिकतम तापमान 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री रहा। गुरुवार को आसमान में बादल छाए रहेंगे। शहर के अधिकांश हिस्सों पर सामान्य से भारी वर्षा का पूर्वानुमान है।

कविता

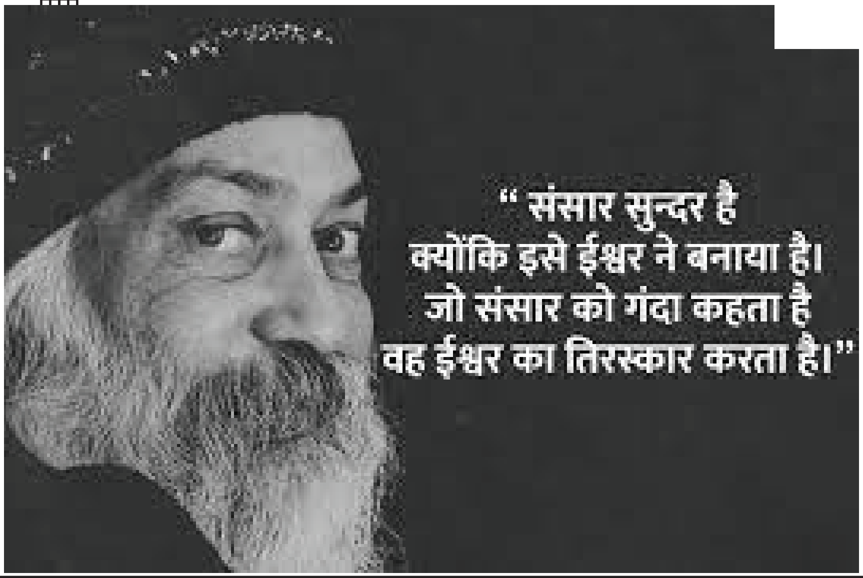

कहै कबीर दीवाना-ओशो

लेकिन परमात्मा को पाना है। लगता है अपने को खोने को तैयार हूं, लेकिन तुम्हें अब और खोए रहने को तैयार नहीं। सब चुकाने को राजी हूं, लेकिन तुमसे मिलना होना ही चाहिए, जिस दिन सारा जीवन-मरण दांव पर लगता है, जिस दिन हम जीते हैं तो उसके लिए, और मरते हैं तो उसके लिए, उस दिन फिर पल भर भी उसकी याद नहीं भूलती। सोते जागते भी प्रेमी प्रेयसी की ही याद करता है। गालिब का कोई पद है, कि रात आंख नहीं झपकाता; क्योंकि पता नहीं उसी क्षण तुम्हारा आना हो जाए। पता नहीं मैं सोया रहूं, तुम द्वार पर दस्त दो और लौट जाओ। बड़ी बेचैनी की दशा हो जाती है की। पत्ते खड़खड़ाते हैं, लगता है, प्रेयसी आई कि प्रेमी आया। हवा का झोंका गुजरता है वृक्षों से, प्रेमी द्वार खोल कर देखता है, शायद आना हो गया। राहगीर गुजरते हैं, पदचाप सुनाई पड़ती है, प्रेमी भागा द्वार के पास पहुंच जाता है **जारी...**

मुल्तानी मिट्टी से नहाने से मिलते हैं ये 5 फायदे

चेहरे और बालों पर मुल्तानी मिट्टी लगाने के फायदे तो आपने बहुत सुने होंगे, लेकिन क्या आपने कभी मुल्तानी मिट्टी से नहाने से मिलने वाले फायदों के बारे में सुना है? अगर आप नहाने लिए शरीर पर साबुन की बजाए मुल्तानी मिट्टी लगाते हैं, तो यह त्वचा की कई समस्याओं को दूर करने में मदद करती है। मुल्तानी मिट्टी को त्वचा की गहराई से सफाई करने और ठंडक पहुंचाने के लिए जाना जाता है, क्योंकि इसमें क्लींजिंग व कूलिंग गुणों के साथ ही एंटी माइक्रोबियल गुण मौजूद होते हैं। यह त्वचा में नमी को लॉक करने और नैचुरली मॉइश्चराइज करने में भी मददगार है। इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी से नहाने के 5 फायदे और नहाने का तरीका बता रहे हैं।

अगर आप नहाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग करते हैं, तो शरीर की त्वचा के लिए एक बेहतरीन आपके शरीर की त्वचा को एक्सफोलिएट करने में मदद करती है। इससे शरीर पर जमा गंदगी साफ होती है और त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद मिलती है।

मुल्तानी मिट्टी शरीर पर मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को साफ करने में मदद करती है। यह त्वचा में जलन, चकत्ते, खुजली या अन्य किसी एलर्जी के प्रभाव को कम करने में मदद करती है। साथ ही त्वचा को शांत करती है और ठंडक पहुंचाती है।बहुत से लोगों के शरीर की त्वचा चेहरे की त्वचा डार्क होती है। मुल्तानी मिट्टी त्वचा की रंगत में सुधार करती है, टैनिंग, पिगमेंटेशन और त्वचा के कालेपन को दूर करती है। दाग-धब्बे दूर होते हैं और अनईवन स्किन से छुटकारा दिलाती है।4. प्राकृतिक मॉइस्चराइजर हैमुल्तानी मिट्टी में मॉश्चराइजिंग गुण होते हैं। यह त्वचा में नमी को बनाए रखने और मॉइस्चराइज करने में मदद मिलती है। यह ड्राई स्किन से छुटकारा पाने में बहुत मददगार है। साथ ही त्वचा को मुलायम बनाती है।अगर आप शरीर के साथ ही चेहरे पर भी मुल्तानी मिट्टी लगाते हैं, तो यह कील-मुंहासे, दाग-धब्बों, एजिंग के लक्षण आदि को कम करने में मदद करती है और आप साफ-दमकती, कोमल त्वचा प्रदान करती है। के लिए आपको मुल्तानी मिट्टी को पानी में घोलने या शरीर पर मुल्तानी मिट्टी का पानी डालने की जरूरत नहीं है।

रीना रॉय की तरह ही बेहद ही खूबसूरत हैं उनकी बेटी सनम खान

नई दिल्लीः रीना रॉय अपने जमाने की मशहूर अदाकारा है। उन्होंने 70 और 80 के दशक में अपने अभिनय का लोहा मनवाया। रीना रॉय ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 1972 में आई फिल्म ह्यजरूरतह्व से की थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने जंगल में मंगल, मदहोश और वरदान जैसी कई फिल्मों में काम किया। अपनी फिल्मों के साथ-साथ रीना रॉय अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब चर्चा में रहीं। एक समय पर एक्ट्रेस का नाम बॉलीवुड के शॉटगन शत्रुघ्न सिन्हा के साथ जोड़ा गया। रीना रॉय ने साल 1983 में क्रिकटर मोहसीन खान से शादी की,

लेकिन कुछ सालों बाद ही दोनों एक दूसरे से अलग हो गए। दोनों की एक बेटी है सनम खान। रीना रॉय और मोहसिन खान की बेटी की एक तस्वीर इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है। सनम खान खूबसूरती के मामले में बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियों को मात देती हैं। अच्छे-अच्छे स्टार किड्स भी एक्ट्रेस की बेटी की खूबसूरती के आगे पानी मांगते हैं। सोशल मीडिया पर मां रीना रॉय के साथ सनम खान की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। इस तस्वीर में उन्होंने सफेद और क्रीम रंग की शर्ट पहनी हुई है और बालों को हाई पोनी की है। रीना रॉय के साथ बेटी की इन खूबसूरत तस्वीरों को देखने के बाद सोशल मीडिया पर युजर्स लगातार कमेंट कर रहे हैं। कोई तस्वीर पर कमेंट कर सनम से पूछ रहा है कि वह अब तक कहां थीं। तो वही कोई उन्हें उनकी मां से ज्यादा खूबसूरत बता रहा है। एक समय पर रीना रॉय बॉलीवुड की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों से एक थी। फिल्म नागिन से एक्ट्रेस को खूब पॉपुलैरिटी मिली थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने काली चरण और जैसे को तैसा जैसी फिल्मों में काम किया और साल 1976 में रीना रॉय बॉलीवुड की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार थीं। रीना रॉय ने फिल्म नागिन और आशा के लिए 1977 में फिल्म फेयर अवॉर्ड भी जीता।

पुजारा से भारत के लिए तो रन नहीं बने, लेकिन ससेक्स के लिए तीसरा दोहरा शतक ठोकर अजहर का रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली। टीम इंडिया इस साल जब कुछ दिनों पहले इंग्लैंड दौरे पर गई तब पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच दोनों देशों के बीच खेला गया था, लेकिन टीम इंडिया को हार मिली। इस मैच में भारतीय टीम की हार की वजह कुछ स्टार बल्लेबाजों की खराब बल्लेबाजी भी रही और इसमें चेतेश्वर पुजारा भी शामिल थे। दरअसल पुजारा काफी अच्छी फार्म में काउंटी क्रिकेट खेलकर आ गए थे और ससेक्स के लिए खूब रन भी बनाए थे। उनकी इस बेहतरीन फार्म को देखकर ही उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में

शामिल किया गया, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच में उन्होंने निराश किया और 13 व 66 रन की पारी खेली। अब जहां पुजारा दनादन शतक दोहरा शतक लगा रहे थे उसके बाद उनके इस स्कोर ने भारतीय टीम को बैकफुट पर धकेलने का काम तो जरूर किया था।

बहरहाल पुजारा इस वक्त इंग्लैंड में हैं और काउंटी क्रिकेट में ससेक्स की कप्तानी कर रहे हां साथ ही साथ मिडलसेक्स के खिलाफ खेले जा रहे मैच की पहली पारी में 231 रन की शानदार पारी भी खेली। उन्होंने 403 गेंदों का सामना करते हुए 3 छक्के और 21 चौकों की मदद से ये रन जुटाए। पुजारा की इस पारी के दम पर उनकी टीम ससेक्स ने पहली पारी में 523 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यही नहीं इस सीजन में ससेक्स के लिए खेलते हुए ये उनका तीसरा दोहरा शतक भी था।

पुजारा ने 231 रन की पारी खेलन के बाद पूर्व भारतीय कप्तान मो. अजरुद्दीन का रिकार्ड भी तोड़ दिया। दरअसल अजहर ने काउंटी क्रिकेट में 1991 में लीसेस्टरशायर के खिलाफ 212 रन की पारी खेली थी और इसके बाद उन्होंने साल 1994 में डरहम के खिलाफ 205 रन बनाए थे। यानी काउंटी क्रिकेट में उन्होंने भी दो दोहरे शतक लगाए थे, लेकिन पुजारा अब तीन दोहरे शतक के साथ अजहर से आगे निकल गए। अब पुजारा काउंटी क्रिकेट में तीन दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। पुजारा ने काउंटी चैंपियनशिप 2022 में अपनी टीम ससेक्स के लिए अब तक 6, 201*, 109, 12, 203, 16, 170*, 3, 46, 231 रन की पारी खेली है।

न्यूजीलैंड के गेंदबाज ने अपने पहले ही ओवर में हैट्रिक लेकर रचा इतिहास, 91 रन पर सिमटी आयरलैंड

नई दिल्ली। आयरलैंड के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबले माइकल ब्रेसवेल के लिए हमेशा के लिए यादगार हो गया। इस मुकाबले में उन्होंने टी20 हैट्रिक हासिल किया और खास खिलाड़ी की लिस्ट में जगह बनाई। बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 4 विकेट पर 179 रन का स्कोर बनाया। जवाब में आयरिश टीम महज 91 रन पर ही ढेर हो गई। लगातार दूसरा मुकाबला जीत कर कीवी टीम ने 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

बुधवार को खेले गए सीरीज के दूसरे टी20 मुकाबले में आयरलैंड के कप्तान ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। डैन क्लीवर के धमाकेदार अर्धशतक के दम पर न्यूजीलैंड ने 4 विकेट पर 179 रन का स्कोर खड़ा किया। 55 गेंद पर उन्होंने 5 चौके और 4 छक्के जमाते हुए 78 रन की पारी खेली। फिन एलन ने 20 गेंद पर 35 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड के उभरते खिलाड़ी ब्रेसवेल ने वनडे सीरीज के दौरान बल्लेबाजी का लोहा मनवाया था और अब उन्होंने गेंदबाजी में कमाल कर दिखाया।

आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में इस खिलाड़ी ने दो सेट बल्लेबाज और नए बल्लेबाज का विकेट लेकर हैट्रिक पूरी की। पारी का 14वां ओवर करते हुए आखिरी तीसरी, चौथी और पांचवीं गेंद पर उन्होंने मार्क एडायर (27), बैरी मैक्कैथी (11) और क्रेग यंग को आउट कर अपनी हैट्रिक बनाई। आयरलैंड के तीनों आखिरी विकेट ब्रेसवेल के नाम रहे।कमाल की बात यह ही उनको कप्तान ने पहला ही ओवर दिया था। इंटरनेशनल क्रिकेट में पहले ओवर की तीन विकेट पर टी20 में विकेट लेने वाले ब्रेसवेल पहले खिलाड़ी बने। न्यूजीलैंड की तरफ से हैट्रिक लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बने। जैकब ओरम और टीम साउदी ने इससे पहले कीवी टीम के लिए यह कमाल किया है। ओरम ने 2009 में श्रीलंका के खिलाफ जबकि साउदी ने 2010 में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 में हैट्रिक लिया था।

विराट कोहली की मदद करने के लिए तैयार ये भारतीय दिग्गज, कहा- सिर्फ 20 मिनट वक्त गुजारने मिले

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर को लगता है कि वह खराब फार्म में चल रहे विराट कोहली की आफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर कमजोरी को दूर करने में मदद कर सकते हैं।खराब लय में चल रहे कोहली ने 2019 के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के किसी भी प्रारूप में शतक नहीं लगाया। इंग्लैंड के हालिया दौरे पर छह पारियों (टेस्ट, टी-20 अंतरराष्ट्रीय और वनडे) में सिर्फ 76 रन बना सके। गावस्कर ने एक कार्यक्रम में कहा, ह्यअगर मुझे कोहली के साथ 20 मिनट का समय मिले तो शायद मैं चीजों को कुछ ठीक कर सकूं। मैं यह नहीं कह रहा हूं मैं उनकी मदद करूंगा, लेकिन खासकर आफ स्टंप की बाहर जाती गेंदों के साथ उनकी परेशानी को दूर कर सकता हूं। उन्होंने खुद का जिक्र करते हुए कहा, ह्यएक सलामी बल्लेबाज के तौर पर आप ऐसी गेंदों पर काफी परेशानी का सामना करते हैं, ऐसे में आप इससे निपटने के लिए काफी कुछ करते हैं। कोहली के साथ यह भी परेशानी हो रही है कि वह अपनी पहली गलती पर ही आउट हो जा रहे हैं। वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे इसलिए हर गेंद पर रन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में बल्लेबाज उन गेंदों पर भी रन बनाने के बारे में सोचता है जिसे वह आमतौर पर छोड़ देता है।ह्ण गावस्कर ने इस मौके पर इंग्लैंड के विरुद्ध तीसरे वनडे में जिम्मेदारी से बल्लेबाजी करने के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत की तारीफ की।

केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले ने संजय राउत पर साधा निशाना, शिवसेना विभाजन का लगाया आरोप

मुंबई: केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने पार्टी में विभाजन के लिए शिवसेना (सांसद संजय राउत को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उद्धव ठाकरे ने राउत के इशारे पर ही राकांपा के साथ गठबंधन किया।समाचार एजेंसी एएनआइ से बात करते हुए अठावले ने कहा, ह्लयह शरद पवार नहीं बल्कि संजय राउत थे जिन्होंने शिवसेना को तोड़ा। उद्धव ठाकरे ने संजय राउत के कहने पर ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ जाने का फैसला किया। मुंबई में अतिक्रमण जमीन से लेकर समुद्र तक फैल गया है। फोटोकेंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर शिवसेना और राकांपा एक साथ नहीं आते तो भारतीय जनता पार्टी (BJP) और शिवसेना की सरकारें महाराष्ट्र में आ जातीं।अठावले ने कहा, ह्लअगर शिवसेना और राकांपा एक साथ नहीं आते महा विकास अघाड़ी कभी नहीं बनती और महाराष्ट्र में भाजपा और शिवसेना की सरकार होती।

पहले रामदास कदम ने शरद पवार पर लगाया था आरोपइससे पहले, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रामदास कदम ने आरोप लगाया कि राकांपा प्रमुख शरद पवार ने शिवसेना को तोड़ा और कहा कि पवार ने पार्टी को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया है।कदम ने कहा, यह हम में से किसी को भी मंजूर नहीं था कि शिवसेना प्रमुख का बेटा राकांपा और कांग्रेस के मंत्रियों के साथ बैठे। अगर एकनाथ शिंदे ने यह कदम नहीं उठाया होता तो शिवसेना के पास 10 विधायक भी नहीं होते। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रामदास कदम ने कहा, ह्लमैंने पार्टी में 52 साल काम किया और अंत में मुझे निकाल दिया गया। मैं एकनाथ शिंदे के साथ आए विधायकों को धन्यवाद देना चाहता हूं इस बीच राहुल शेवाले ने कहा, उद्धव ठाकरे भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन के लिए तैयार थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक एक घंटे तक चली लेकिन शिवसेना के कुछ विधायकों के गतिरोध के कारण ऐसा नहीं हो सका।इस बीच राहुल शेवाले ने कहा, उद्धव ठाकरे भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन के लिए तैयार थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक एक घंटे तक चली लेकिन शिवसेना के कुछ विधायकों के गतिरोध के कारण ऐसा नहीं हो सका। इसका जवाब देते हुए मंत्री ने आगे कहा कि जब शिवसेना एनसीपी के साथ गई थी, मैंने यह कहा था कि यह बालासाहेब उद्धव ठाकरे के फैसले के खिलाफ है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net